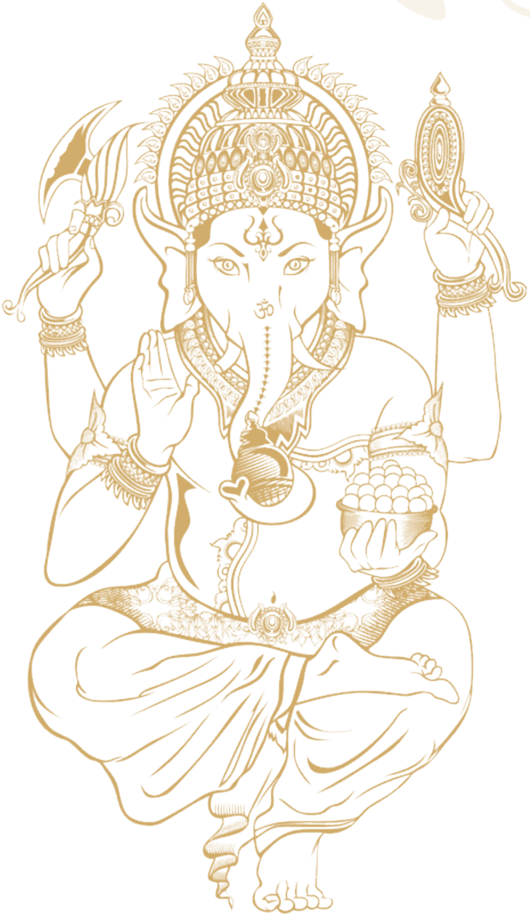

Pallavi Kumari

09 Oct 2023

03:33 AM

Ramgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121094106

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**8-09/10/2023**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**03:33:00 घंटे**
इष्ट	54:37:04 घटी
स्थान	**Ramgarh**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	23:37:00 उत्तर
रेखांश	85:32:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:12:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:45:08 घंटे
वेलान्तर	00:12:19 घंटे
साम्पातिक काल	04:54:15 घंटे
सूर्योदय	05:42:10 घंटे
सूर्यास्त	17:28:37 घंटे
दिनमान	11:46:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	21:10:29 कन्या
लग्न के अंश	20:46:52 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सिद्ध
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डी-डिंपल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	20:46:52	328:44:41	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			कन्या	21:10:29	00:59:14	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	सम राशि
चंद्र			कर्क	17:03:51	11:52:44	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	स्वराशि
मंगल		अ	तुला	03:37:16	00:40:23	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध		अ	कन्या	12:44:01	01:46:26	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	उच्च राशि
गुरु	व		मेष	19:29:43	00:06:18	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	05:42:08	00:51:03	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	06:54:28	00:02:34	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
राहु	व		मेष	00:45:39	00:00:51	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	00:45:39	00:00:51	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
हर्ष	व		मेष	28:13:45	00:01:50	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	---
नेप	व		मीन	01:33:36	00:01:32	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
प्लूटो	व		मक	03:42:21	00:00:04	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			वृष	20:39:51	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:13

लग्न-चलित

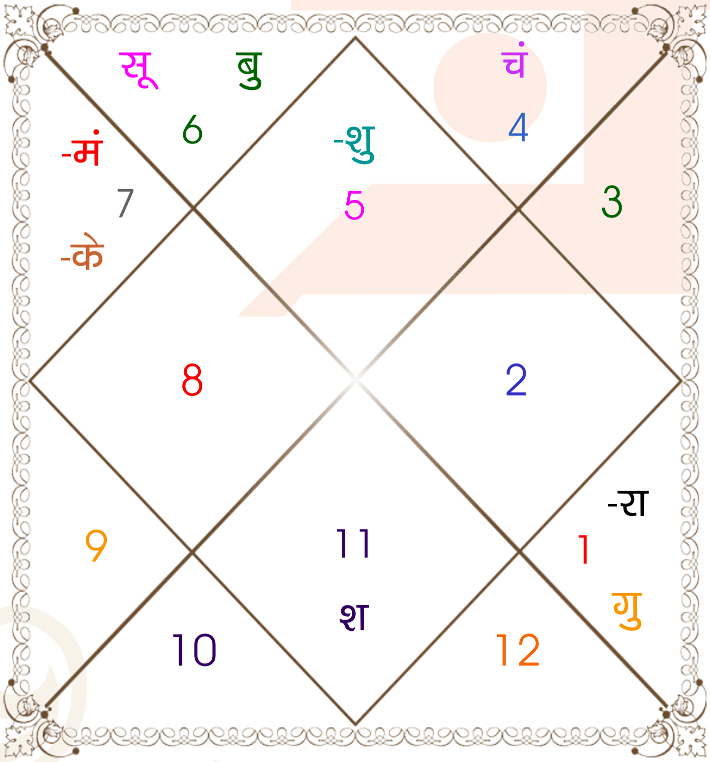

चन्द्र कुंडली

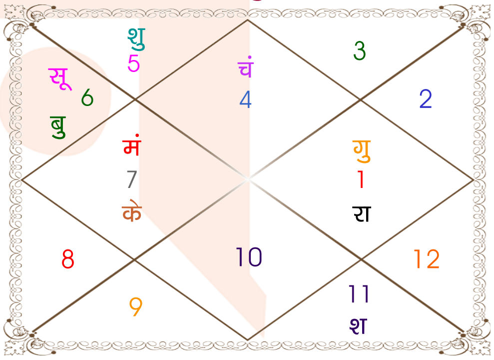

नवमांश कुंडली

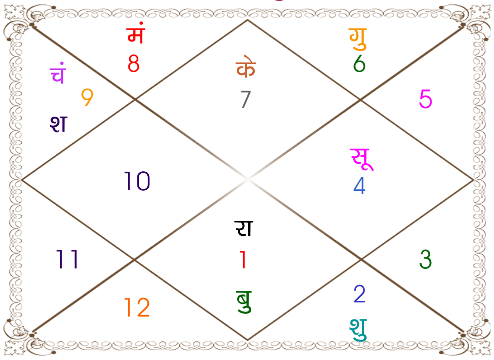

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 16 वर्ष 5 मास 27 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
09/10/2023		06/04/2040		06/04/2047		06/04/2067		06/04/2073	
06/04/2040		06/04/2047		06/04/2067		06/04/2073		06/04/2083	
बुध	02/09/2025	केतु	02/09/2040	शुक्र	06/08/2050	सूर्य	25/07/2067	चंद्र	04/02/2074
केतु	30/08/2026	शुक्र	02/11/2041	सूर्य	06/08/2051	चंद्र	24/01/2068	मंगल	05/09/2074
शुक्र	30/06/2029	सूर्य	10/03/2042	चंद्र	06/04/2053	मंगल	31/05/2068	राहु	06/03/2076
सूर्य	07/05/2030	चंद्र	09/10/2042	मंगल	06/06/2054	राहु	24/04/2069	गुरु	06/07/2077
चंद्र	06/10/2031	मंगल	07/03/2043	राहु	06/06/2057	गुरु	10/02/2070	शनि	05/02/2079
मंगल	02/10/2032	राहु	25/03/2044	गुरु	05/02/2060	शनि	23/01/2071	बुध	06/07/2080
राहु	22/04/2035	गुरु	28/02/2045	शनि	06/04/2063	बुध	30/11/2071	केतु	04/02/2081
गुरु	28/07/2037	शनि	09/04/2046	बुध	04/02/2066	केतु	06/04/2072	शुक्र	06/10/2082
शनि	06/04/2040	बुध	06/04/2047	केतु	06/04/2067	शुक्र	06/04/2073	सूर्य	06/04/2083

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
06/04/2083		06/04/2090		07/04/2108		07/04/2124		07/04/2143	
06/04/2090		07/04/2108		07/04/2124		07/04/2143		00/00/0000	
मंगल	03/09/2083	राहु	17/12/2092	गुरु	26/05/2110	शनि	11/04/2127	बुध	10/10/2143
राहु	20/09/2084	गुरु	13/05/2095	शनि	06/12/2112	बुध	19/12/2129		00/00/0000
गुरु	27/08/2085	शनि	19/03/2098	बुध	14/03/2115	केतु	27/01/2131		00/00/0000
शनि	06/10/2086	बुध	06/10/2100	केतु	18/02/2116	शुक्र	29/03/2134		00/00/0000
बुध	03/10/2087	केतु	25/10/2101	शुक्र	19/10/2118	सूर्य	11/03/2135		00/00/0000
केतु	29/02/2088	शुक्र	25/10/2104	सूर्य	07/08/2119	चंद्र	09/10/2136		00/00/0000
शुक्र	30/04/2089	सूर्य	18/09/2105	चंद्र	06/12/2120	मंगल	18/11/2137		00/00/0000
सूर्य	05/09/2089	चंद्र	20/03/2107	मंगल	12/11/2121	राहु	24/09/2140		00/00/0000
चंद्र	06/04/2090	मंगल	07/04/2108	राहु	07/04/2124	गुरु	07/04/2143		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 16 वर्ष 5 मा 28 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगी।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाली हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करती हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगी। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगी तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगी तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगी। आपको एक स्थान से अन्य भीड़ भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करती हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

अपने समझदार पति एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पति एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपने जीवन संगी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगी। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य पुरुष को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपने पति को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहती हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगी। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो आपको अपनी वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगी तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगी। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति की महिला हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखती तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगी। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सकी तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकती हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।